

अशिक्षित भारतीय महिलायें एवं साइबर सुरक्षा

शोधार्थी :

सुशील कुमार

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

शोध सारांश

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ने समाज में साइबर सुरक्षा को लेकर बहुत सी समस्यायें खड़ी कर दी है। एक साधारण भारतीय नागरिक जो समाज में होने वाली आधुनिक खोजों पर नजर रखता है। कभी-कभी वह भी दिन-प्रतिदिन होने वाली तकनीकी नवाचार को समझने में असमर्थ हो जाता है। इन परिस्थितियों में उन महिलाओं को जो आधुनिक शिक्षा से दूर है, कैसे इन विषयों को समझ पायेगी।

आधुनिक शिक्षा से दूर महिलायें भी आधुनिक तकनीकी का प्रयोग करने को बाध्य है, बिना आधारकार्ड के शायद ही कोई सरकारी दस्तावेज आज बनता है हो या सरकारी कार्य होता हो हर जगह आधार कार्ड अनिवार्य है, आधार कार्ड का प्रयोग करने पर सामान्यतः प्रयोग होने वाला OPT (One Time Password) भी इनको पढ़ना नहीं आता है। यह शोध पत्र अशिक्षित महिलाओं की साइबर सुरक्षा की स्थिति क्या है? इसको समझाने का प्रयास करता है।

बीजक शब्द :- अशिक्षित महिलाये, साइबर सुरक्षा, भारतीय, शैक्षिक स्थिति, डिजिटल इण्डिया

प्रस्तावना :-

सभ्यता के प्रारम्भ से अब तक भारतीय महिलाओं ने बहुत उतार-चढ़ाव देखा है। सिन्धु-सभ्यता को महिला प्रधान सभ्यता माना जाता है। ऐसे बहुत से साक्ष्य सिन्धु सभ्यता से प्राप्त हुये हैं, जो इस सभ्यता के मातृसत्तात्मक होने वाले प्रमाणित हैं। उपनिषद काल में भी भारतीय महिलाओं को पर्याप्त स्वतंत्रता प्राप्त थी। कौटिल्य भी पति के बदचलन होने पर पत्नी को अपने पति से तलाक लेने का हक देते हैं। बौद्ध काल में महिलाओं को पुरुषों के समान स्वतंत्रता व समानता उपलब्ध थी।

भारत पर लगातार विदेशी आक्रमणों ने भारतीय महिलाओं की स्थिति को नारकीय बनाने में अहम भूमिका निभाई। इन विदेशी मुद्दों में भारतीयों की हार ने महिलाओं को घरों में कैद करने व उनके अधिकारों के हनन, स्वतंत्रता को समाप्त करने का कार्य किया। युद्ध में स्त्रियों का बलात्कार, लूट-पाट व उनको अपने साथ ले जाना एक आम बात भी। इन सबकी वजह से स्त्रियाँ शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित हो गई। अशिक्षा ने उसे घर के कार्यों में तो दक्ष (निपुण) कर दिया लेकिन आधुनिक शिक्षा के अभाव ने उसे विज्ञान में होने वाले बदलावों को समय के साथ समझने में अक्षम बना दिया। आधुनिक भारत में भी महिलाओं की यह अशिक्षा देखने को मिलती है। अब भी लगभग 30 प्रतिशत भारतीय महिलायें अशिक्षित हैं। जबकि कम्प्यूटर साक्षरता दर तो बहुत कम है। महिलाओं में कम्प्यूटर साक्षरता दर पुरुषों के मुकाबले कम है।

आधुनिक शिक्षा के बगैर आधुनिक समाज में महिला के लिये सम्मान से जीना मुश्किल है। स्वतंत्रता से पूर्व भारत में महिलाओं की शैक्षिक स्थिति दयनीय थी। स्वतंत्र भारत की प्रत्येक सरकार ने महिला को बढ़ाने का प्रयास किया। न केवल जन्म के सही समय बाद बच्चों की शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया, बल्कि शिक्षा को मौलिक कर्तव्य में भी जोड़ा। वयस्क लोगों को शिक्षित करने के लिए प्रोढ़ शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया है। भारत की सभी प्रदेश सरकारें व भारत सरकार तकनीकी की महत्ता को समझते हुये कम्प्यूटर साक्षरता अभियान चला रही हैं।

कम्प्यूटर शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ऑनलाइन होने वाली धोखाधड़ी के प्रति जागरूक होगा। समय रहते अपना बचाव कर सकता है। महिला को पुरुष प्रधान समाज का एक हिस्सा हमेशा से विलासता की वस्तु समझता रहा है। इसीलिए आज के समय में भी महिलाओं को लक्ष्य बनाकर उनके खिलाफ कई प्रकार के साइबर अपराध किये जाते हैं। अशिक्षित महिलायें भी मोबाइल का इस्तेमाल करती हैं, कुछ मजबूरी में कुछ जरूरत की वजह से क्योंकि सरकारों ने अपनी योजनाओं को महिला केन्द्रित करते

हुये, महिलाओं को घर का मुखिया बना दिया है। सरकार ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को ही सरकारी योजनाओं का लाभ देना चाहती है।

लेकिन इन योजनाओं को JAM (जनधन, आधार, मोबाइल) से जोड़ दिया। इसके लिये महिलाओं, को मोबाइल प्रयोग करना पड़ता है। यदि व मोबाइल का उपयोग नहीं करती है। तो उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में परेशानी होती है।

भारत में होने वाले साइबर अपराध के प्रकार एवं उनका उदभव

क्र.स.	देशी	प्रतिशत
1.	Kyc/customer care number refind based froud	40%
2.	Sexfortion	240%
3.	AePs Fouds Primetric clonming	8%
4.	Online Boooking, fave franchies, QR Code based	20%
5.	Android Mobile based malware	8%
विदेशी		
1.	Innestment/Task based scan's digital arrest/Fedx scam	40%
2.	Illegal Loan apps	23%
3.	Illegal Gaming/crpto/Trading scam	21%
4.	Romanel scem	10%
5.	Ransomueore, Haking others	6%
Source: NCRP Analysis		

भारत सरकार ने सरकारी कामकाज को त्वरित गति से करने के लिये जुलाई 2015 में डिजिटल इण्डिया प्रोग्राम का प्रारम्भ किया। जिसके तहत सरकार ने अपनी सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया

एवं देश के नागरिकों तक अपनी पहुँच आसान बनाने का प्रयास किया। नागरिक एक क्लिक पर अधिकांश सरकारी कार्यक्रमों, योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

सरकार के डिजिटल इण्डिया पोर्टल पर डाटा के अनुसार 138 करोड़ आधार कार्ड, जारी हो चुके हैं। 924.98 करोड़ डाक्यूमेंट डिजिटल लाकर से जारी हो चुके हैं। MyGov. पर 3.9 करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया हुआ है। पोषण देकर (सही पोषण देश रोशन) पर 13.31 लाख AWC लोग कार्यरत हैं। ई-संजीवनी पर 27.97 करोड़ लोगों की सेवा की जा रही है। Lokos पर 92.06 लाख स्वयं सहायता समूहों का नम्बर प्रदर्शित हो रहा है। माषिनी एवं 500K+ लोगों ने डाउनलोड किया हुआ है।

उपरोक्त डाटा से पता चलता है कि दुनिया के सर्वोच्च जननाकीय वाले देश भारत ने डिजिटल क्षेत्र में अमूतपूर्व उन्नति की है एवं इस दुनिया में लगातार नई ऊचाईयां हासिल कर रहा है। नागरिकों का तमाम सुविधायें कुछ क्लिक पर उपलब्ध है। इस उन्नति की राह में जो पीछे रह गये हैं। उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। पीछे रह गये लोगों में है भारत की लगभग 30 प्रतिशत अशिक्षित महिलायें। इनकी साइबर सुरक्षा एक चुनौती है।

भारत में महिलाओं की शैक्षिक स्थिति :-

महिला साक्षरता दर (2021) : 70.3 प्रतिशत INSO

पुरुष साक्षरता दर (2021) : 84.7 प्रतिशत (National Statistical office)

स्वतंत्रता के बाद भारत में साक्षरता की स्थिति :-

डिजिटल साक्षरता :-

भारत सरकार ने डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने के सन् 2014 से 2016 के मध्य दी महत्वपूर्ण अभियान चलाये "National digital Literacy Mission" (NDLM) डिजिटल साक्षरता अभियान इसके

तहत सरकार ने 52.50 लाख लोगों के डिजिटल साक्षरता का लक्ष्य रखा जबकि 53.67 लाख लोगों को डिजिटल साक्षरता प्रदान की।

2017 में भारत सरकार ने 6 करोड़ ग्रामीण परिवारों की डिजिटल साक्षरता के लिये "प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA)" का प्रारम्भ किया। जिसके तहत कुल 5.78 करोड़ लोगों ने नामांकन करवाया।

भारत की सम्पूर्ण, सर्वांगीण विकास के लिये आवश्यक है, समाज के प्रत्येक हिस्से की उसमें भागीदारी यदि हमारे देश का एक बड़ा सामान्य शिक्षा एवं डिजिटल साक्षरता से दूर रहेगा। शिक्षित एवं प्रशिक्षित किया जाये तो वह देश के विकास में सकारात्मक योगदान देगा।

भारत में महिलाओं के प्रति होने साइबर अपराध :-

साइबर अपराध/वित्तीय धोखाधड़ी/गोपनीयता/ऑनलाइन ब्लेकमेलिंग

वित्तीय धोखाधड़ी :- सामाजिक जीवन में धन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, धनाभाव में व्यक्ति का जीवन पुष्कर हो जाता है। जब व्यक्ति के जीवन में कृत्रिम चीजों की अधिकता हो जाती है। तो धन का महत्व बढ़ जाता है। आज के समय में धन कई रूपों में उपलब्ध में है, उसमें से धन का ऑनलाइन उपयोग। आज व्यक्ति के द्वारा प्रयोग में होने वाली मुद्रा का अधिकांश हिस्सा बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा है। ऑनलाइन बैंकिंग इसका महत्वपूर्ण हिस्सा हो गई। जिस कारण कुछ लोग विभिन्न तरीकों से ऑनलाइन ठगी करते हैं एवं व्यक्ति की मेहनत की कमाई उड़ा देते हैं।

ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी NCRP शिकायतें :-

2019	—	26,049
2020	—	2,57,777
2021	—	4,52,414
2022	—	10,29,026

2023 —	13,10,000
2024 —	22,68,346
2025 —	24,00,000

उपरोक्त दर्ज शिकायतों का डाटा महिला-पुरुष में उपलब्ध न है, लेकिन इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है। कि ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी में भारत में करोड़ों रुपये की लूट हो रही है। इसमें अशिक्षित या कम-शिक्षित महिलाओं के साथ वित्तीय धोखा होने की सम्भावना ज्यादा रहती है।

साइबर क्राइम पोर्टल पर प्रतिदिन 6000 शिकायतें दर्ज होती हैं हैं। प्रतिदिन 60 करोड़ रुपये की हानि, 1930 हेल्पलाइन पर 60,000 कॉल प्रतिदिन प्राप्त होते हैं।

सार्वजनिक धार्मिक स्थानों पर की जाने वाली गतिविधियों को रिकार्ड करना। बहुत सी महिलाओं को पता भी नहीं होता कि उनके द्वारा की जा रही सभी गतिविधियाँ रिकार्ड की जा रही हैं।

अभद्र भाषा एवं ट्रोलिंग (Hat speech and troling) :-

प्रत्येक को मानवीय गरिमा का सम्मान करना चाहिये, भाषा उसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। महिलाओं के खिलाफ अगर पुरुष समाज को बात पसंद नहीं आती तो उनको ट्रोल करते हैं। उसके लिये भाषा निंदनीय स्तर तक नीचे गिर जाती है।

ऑनलाइन मानहानि :-

किसी महिला की सहमति/असहमति से ली गई व्यक्तिगत या तस्वीर जो वो नहीं की ऑनलाइन उसे सब देखे उनको किसी पुरुष द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट करके उसे बेइज्जत किया जाता है। कानून ऐसा करना अपराध है, लेकिन साइबर अपराध के इस घिनौने कार्य से उस महिला का अपराध बोध घिर जाना स्वाभाविक सा हो जाता है। इसी परिस्थिति में उसे घर समाज का सकारात्मक सहयोग न मिले तो उसकी मानसिक स्थिति दयनीय हो जाती है।

महिलाओं को साइबर-अपराधों से बचाने के उपाय :-

1. साइबर अपराधों को बहुत हद तक रोका जा सकता है, यदि लोगों को सही सूचना हो, सूचना का अभाव लोगों के गुमराह होने का मुख्य कारण है, इसके लिये आवश्यक है, भारत सरकार, सभी प्रदेश सरकारें पंचायती राज, नगर पालिका (स्थानीय सरकारें) सभी मिलकर एक साथ, एक गहन जागरूकता अभियान चलाना चाहिये।
2. अधिम मात्रा में साइबर-सुरक्षा कर्मियों की नियुक्त करनी चाहिये एवं उनको विश्व की श्रेष्ठ तकनीकी से प्रशिक्षित करना चाहिये।
3. ऑनलाइन अपराधों की प्रारम्भ में व्यक्ति को लालच दिया जाता है। महिलाओं को चाहिये किसी प्रकार के लालच में न आये।
4. बहुत अंतरंग तस्वीरे विश्वास में लीर जाती है एवं वाद में उनको ब्लैकमेलिंग में प्रयोग किया जाता है। अन्यथा की स्थिति में उनको विभिन्न सोशल मीडिया साइटों पर या तो डाल दिया जाता है या धमकी दी जाती है। महिलाओं को चाहिये कि इस प्रकार की तस्वीरे किसी पर भी भरोसा करके न लें।
5. यदि सम्भव हो तो महिलाओं को सामान्य कम्प्यूटर साक्षरता हासिल करनी है। क्योंकि भारत में महिला का मुख्य कारण उचित अवसरों का अभाव रहा है लेकिन अब समय में बदलाव के उचित अवसर उपलब्ध है तो उनका प्रयोग करना चाहिये।
6. महिलाओं में साइबर सुरक्षा की चेतना विकसित करने के लिये लोकगीतों को माध्यम बनाकर उन तक जानकारी को पहुँचाया जा सकता है।
7. अशिक्षित महिलाओं को चाहिये वित्तीय लेन-देन के मामलों में किसी एक पर ही भरोसा न करे, दो-तीन लोगों भरोसेबंद से जानकारी ले।

8. अशिक्षित महिला जो स्मार्टफोन का प्रयोग करती है, प्रत्येक गतिविधि को ऑनलाइन साझा करने से बचना चाहिये।

सार :—

समाज में परिवर्तन प्राकृतिक नियम है। इस सदी में तकनीकी बहुत तेजी से बदल रही है। समाज का एक हिस्सा इस तकनीकी बदलाव को समझने का प्रयत्न कर, उसे अपनाने की कोशिश करता है। लेकिन पूरी तरह इस बदलाव को आत्मसात् न कर पाता है। भारत की अशिक्षित महिलाओं के हाथों में भी आज स्मार्टफोन पहुँच रहा है। जिसका शुरुआती उपयोग किसी भी मदद से करती है, लेकिन इंटरनेट की दुनिया से पूरी तरह अज्ञान होती है।

आपराधिक प्रवृत्ति देशी या विदेशी लोगों के लिये में साधारण लोग ढगी का आसान जरिया बन जाते हैं। कभी-कभी जान पहचान वाले व्यक्ति भी उनकी अशिक्षा का फायदा उठाकर, उनको परेशान करते हैं, निजात का उल्लंघन, ब्लैकमेलिंग, वित्तीय धोखाधड़ी आदि करते हैं। इन सब से बचने का एक बेहतरीन उपाय है, जागरूकता। महिलाओं को चाहिये जितना संभव हो साइबर सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी हासिल करें।

भारतीय महिलाओं को भी बाबा साहेब डा० भीमराव अम्बेडकर की एक बात याद रखनी चाहिये महिलाओं को पैसा इज्जत से मेहनत करके कमाना चाहिये न कि देह व्यापार से।

संदर्भ सूची

1. www.digitalindia.gov.in
2. www.cybercrime.gov.in
3. <http://pib.gov.in/pressreleasepage.aspx.?irip=181277>

4. Ciet.ncert.gov.in
5. The Hindu
6. Indian Express
7. Denik Jagran
8. Denik Bhasker